पाठ्यक्रम के प्रमुख विषय की दृष्टि से हिंदी केवल एक भाषा नहीं, अपितु भारतीय संस्कृति, संवेदना और चिंतन का संचयन है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इसकी उपादेयता दिखाई देती है। हिंदी भाषा और विषय दोनों तरह से मनुष्य को अपनी सभ्यता, परंपरा और लोकजीवन से जोड़ने का बेजोड़ प्रयास है जो शिक्षा के साथ साथ मानवीय मूल्यों का विकास करती है। हिंदी का साहित्य प्रेम, करुणा, त्याग, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना जैसे उच्च आदर्श का समन्वय हैं, जो व्यक्ति के चरित्र को भी संस्कारित करता हैं। समाज के प्रांगण में लिखा गया हिंदी साहित्य अनुभवों का अद्भुत संग्रह है, जीवन की जिजीविषा, संघर्ष करते समाज का ताना बाना है, मनुष्यता की अभिव्यक्ति का माध्यम है। शिक्षा, पत्रकारिता, प्रशासन, विज्ञान, जनसंचार के क्षेत्र इत्यादि में भी हिंदी का महत्व उतरोत्तर बढ़ता ही चला जा रहा है। मातृभाषा हिंदी विषय का अध्ययन व्यक्ति की अभिव्यक्ति क्षमता, चिंतन शक्ति और सृजनशीलता का आधार बनता है। वास्तव में हिंदी विषय राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने वाला तथा मानवता के मूल्यों को पोषित करने वाला एक अमूल्य माध्यम है।प्रत्येक भारतीय विद्यार्थी का नैतिक दायित्व है कि मनोयोग पूर्ण अध्ययन से हम हिंदी के संरक्षण और विकास के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहे है।

डॉ मीनाक्षी

हिंदी विभाग